यारी है ईमान मेरा यार मेरी जिन्दगी...

डा विजय सुखवानी
लेखक, मोटिवेशनल स्पीकर
v1sukhwani@gmail.com

दोस्तों, आपको याद होगा कि अमिताभ बच्चन को सुपरस्टार बनाने वाली ब्लॉकबस्टर फ़िल्म 'जंज़ीर' का एक गाना बड़ा लोकप्रिय हुआ था, गीत था, 'यारी है ईमान मेरा यार मेरी ज़िन्दगी'. आज हम बात करेंगे इसी यादगार गीत को लिखने वाले गीतकार गुलशन बावरा की जो हिंदी सिनेमा के ऐसे गीतकार थे, जिन्होंने अपनी कलम से देशभक्ति, दोस्ती और मुहब्बत के कई यादगार गीत लिखे.

गुलशन बावरा हिंदी फिल्म संगीत के ऐसे लोकप्रिय गीतकारों में गिने जाते हैं, जिन्होंने अपने सरल, भावपूर्ण और दिल को छू लेने वाले गीतों से श्रोताओं के मन पर अपनी अमिट छाप छोड़ी. उनका वास्तविक नाम गुलशन कुमार मेहता था. गुलशन जी को 'बावरा' उपनाम, फिल्म 'सट्टा बाजार' के दौरान फिल्म वितरक शांतिभाई पटेल ने दिया था. जब उन्होंने गुलशन जी के अस्त-व्यस्त बाल और बेपरवाह अंदाज़ को देखा, तो उन्हें 'बावरा' (मस्तमौला) कह दिया, जो आगे चलकर फ़िल्म इंडस्ट्री में उनकी पहचान बन गया. उनका जन्म अविभाजित पंजाब के शेखूपुरा (अब पाकिस्तान) में हुआ था. लिखने का शौक उनको बचपन से ही था. उनकी मां धार्मिक कार्यकलापों के साथ साथ संगीत मे भी काफी रूचि रखती थी. गुलशन अक्सर मां के साथ भजन, कीर्तन जैसे धार्मिक कार्यक्रमों में जाया करते थे. माँ के साथ इन कार्यक्रमों में जाने की वज़ह से भजन लिखने में उनकी रूचि हुई, उनके लेखन का ये सफर, कॉलेज के दिनों में रुमानी कविताओं में बदल गया और बाद में एक कामयाब फ़िल्मी गीतकार के रूप में पूर्ण हुआ. गुलशन बावरा का बचपन विभाजन की त्रासदी से भरा रहा. उन्होंने अपनी आंखों के सामने अपने माता-पिता को दंगों में खो दिया. इसके बाद वे अपनी बहन के साथ दिल्ली आ गए. मुंबई आने से पहले उन्होंने रेलवे में क्लर्क की नौकरी भी की, लेकिन उनके भीतर का कवि उन्हें मायानगरी बम्बई खींच लाया.

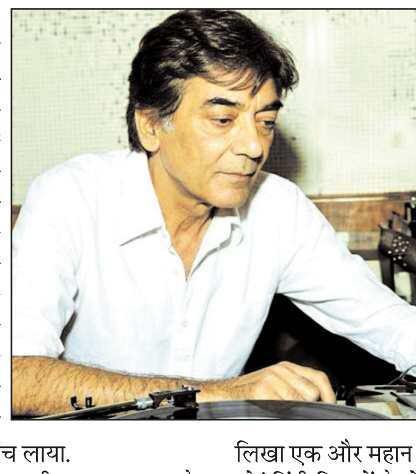

गुलशन बावरा ने अपने करियर की शुरुआत 1960 के दशक में की और जल्दी ही वे हिंदी सिनेमा में स्थापित हो गए. उनके गीतों में देशभक्ति, दोस्ती, प्रेम और जीवन के कई और विविध रंग सहजता से दिखाई देते हैं. उनका लिखा हुआ प्रसिद्ध गीत 'मेरे देश की धरती सोना उगले' (उपकार), आज भी देशभक्ति गीतों में अग्रणी स्थान रखता है. उन्हें पहला ब्रेक फिल्म 'चंद्रसेना' (1959) में मिला लेकिन उन्हें पहली बड़ी सफलता फिल्म 'सट्टा बाजार' के गीतों से मिली, कल्याण जी आनंद जी के संगीत से सजी इस फ़िल्म का उनका लिखा और हेमंत कुमार और लता मंगेशकर का गाया गीत 'तुम्हें याद होगा कभी हम मिले थे, मोहब्बत की राहों में मिल कर चले थे' काफ़ी लोकप्रिय हुआ. इसके बाद मनोज कुमार की फिल्म 'उपकार' (1967) के गीत 'मेरे देश की धरती' ने उन्हें रातों-रात स्टार गीतकार बना दिया. दरअसल रेलवे में नौकरी के दौरान मालवाहक विभाग में गुलशन बावरा अक्सर पंजाब से आई गेहूँ से लदी बोरियाँ देखा करते थे और वहीं पर उनके द्वारा कभी न भुलाई जा सकने वाली ये पंक्तियाँ रची गईं, जो हिन्दी फिल्मों के इतिहास में अमर हो गईं, 'मेरे देश की धरती सोना उगले, उगले हीरे-मोती, मेरे देश की धरती'. जब उन्होंने मनोज कुमार को ये पंक्तियाँ सुनाईं तो उसी समय मनोज कुमार ने इसे अपनी फ़िल्म 'उपकार' के लिए पसंद कर लिया. इस फ़िल्म का गुलशन बावरा का लिखा एक और महान गीत 'हर ख़ुशी हो वहाँ तू जहाँ भी रहे' हिंदी फिल्मों के श्रेष्ठतम गीतों में से एक है. 1974 की फ़िल्म 'हाथ की सफाई' के उनके गीत 'तू क्या जाने बेवफ़ा', 'वादा कर ले साजना' और 'पीने वालों को पीने का बहाना चाहिए' बेहद लोकप्रिय रहे. इसके बाद 1975 में आई फिल्म जंजीर के भी सभी गीत 'यारी है ईमान मेरा यार मेरी ज़िन्दगी', 'बना के क्यों बिगाड़ा रे' और 'दीवाने हैं दीवानों को न घर चाहिए' काफ़ी पॉपुलर हुए थे.

उनके अन्य प्रसिद्ध गीतों में 'चांद को क्या मालूम चाहता है उसे क़ोई चकोर' (लाल बंगला), 'ये मौसम ये रंगीन समा ठहर जरा ओ जाने जां' (मॉडर्न गर्ल), 'चांदी की दीवार न तोड़ी' (विश्वास), 'तू तू है वही दिल ने जिसे अपना कहा' (ये वादा रहा), 'ज़िन्दगी मिलके बिताएंगे', 'प्यार हमें किस, मोड़ पे ले आया', दुक्की पे दुक्की हो या सत्ते पे सत्ता (सत्ते पे सत्ता), 'आती रहेंगी बहारें', 'कसमे वादे निभाएंगे हम' (कसमे वादे), 'हमने तुमको देखा', 'एक मैं और एक तू', 'खुल्लम खुल्ला प्यार करेंगे' (खेल खेल में), 'तुमको मेरे दिल ने पुकारा है', 'किसी पे दिल अगर आ जाए तो क्या होता है' (रफूचक्कर), 'लहरों की तरह यादें दिल को' (निशान), 'जीवन के हर मोड़ पर मिल जायेंगे हमसफ़र' (झूठा कहीं का), 'जाने जां औ मेरी जाने जाना', 'कितने भी तू कर ले सितम (सनम तेरी कसम), 'हमें और जीने की चाहत न होती अगर तुम न होते' (अगर तुम न होते), 'बच के रहना रे बाबा', 'तू मायके मत जइयो' (पुकार), 'तेरी बदमाशीयां और मेरी कमजोरियां' (ज़ुल्मी) आदि हैं.

गुलशन बावरा ने अपने 40 साल के करियर में लगभग 250 गीत लिखे, उन्होंने कई बड़े संगीतकारों के साथ काम किया, विशेष रूप से कल्याणजी-आनंदजी और आर डी बर्मन के साथ उनकी जोड़ी काफी सफल रही. उन्होंने कल्याणजी-आनंदजी के संगीत निर्देशन में 70 गीत लिखे, जबकि आर. डी. बर्मन के साथ 150 गीत लिखे थे. आर. डी. बर्मन, गुलशन बावरा के पड़ोसी थे. आर.डी. बर्मन के साथ उनकी कई यादें जुड़ी हुई थीं. इन स्मृतियों को गुलशन बावरा ने 'अनटोल्ड स्टोरीज' नाम के एल्बम में संजोया है. इसमें उन्होंने आर. डी. बर्मन की आवाज़ के साथ कुछ गीतों के साथ जुड़े किस्से-कहानियाँ भी पेश किये थे. गुलशन बावरा केवल गीतकार ही नहीं, बल्कि एक अच्छे अभिनेता भी थे. उन्होंने 'ज़ंजीर', 'सत्ते पे सत्ता', और 'ये वादा रहा', 'जाने-अनजाने', 'बेईमान', 'बीवी हो तो ऐसी', 'आप के दीवाने', जैसी फिल्मों में छोटी छोटी भूमिकाएं भी निभाईं. इसी प्रकार गुलशन बावरा ने आर डी बर्मन के साथ उनकी फिल्म 'पुकार' और 'सत्ते पे सत्ता' में गानों में अपनी आवाज़ भी दी.

उनकी खास खूबी ये थी कि वो जटिल भावनाओं को भी सरल शब्दों में व्यक्त कर देते थे इसी लिये उनके गीत आम लोगों के दिल तक सीधे पहुँचते थे. उनकी लेखनी में भारतीय संस्कृति और भावनाओं की गहरी झलक मिलती है. उन्हें दो बार सर्वश्रेष्ठ गीतकार के फिल्मफेयर पुरस्कार से नवाजा गया, 1968 में फिल्म 'उपकार' के गीत 'मेरे देश की धरती' के लिए और 1974 में फिल्म 'जंजीर' के गीत 'यारी है ईमान मेरा यार' के लिए.

गुलशन बावरा आज के नये गीत-संगीत से विचलित थे. वे कहा करते थे- 'इन गीतों में भावना नहीं है और संगीत में आत्मा नहीं है'. नई फ़िल्मों पर उनकी तल्ख टिप्पणी कि 'मेरी बर्दाश्त से बाहर हैं ये नई फ़िल्में' उनके दिल के दर्द को बयां करती है. आज गुलशन बावरा हमारे बीच जीवित नहीं हैं, लेकिन उनके लिखे गीत आज भी जीवित हैं और पुरानी पीढ़ी के साथ साथ नई पीढ़ी को भी पसंद आते हैं. हिंदी फिल्मों के अच्छे गीतकारों की फेहरिस्त में उनका नाम हमेशा शुमार किया जायेगा. आज के लिये इतना ही, अगले सप्ताह फिर मुलाक़ात होगी, तब तक गुलशन बावरा के सदाबहार गीत खासकर उपकार फ़िल्म का ये भावपूर्ण गीत सुनिए और इसकी भावनाओं में खो जाइये........

हर ख़ुशी हो वहाँ तू जहाँ भी रहे
जिंदगी हो वहाँ तू जहाँ भी रहे

ये अँधेरे मुझे इसलिए हैं पसंद
इन में साया भी अपना दिखायी ना दे
रोशनी हो वहाँ तू जहाँ भी रहे

चाँद धुंधला सही ग़म नहीं हैं मुझे
तेरी रातों पे रातों का साया ना हो
चाँदनी हो वहाँ तू जहाँ भी रहे

अब कॉमेडी में हाथ आजमाएंगे ईशान खट्टर

अभिनेता ईशान खट्टर इन दिनों अपनी हालिया रिलीज 'होमबाउंड' की सफलता का आनंद ले रहे हैं. इसी बीच उन्होंने अपने फैंस को एक और सरप्राइज दिया है. ईशान जल्द ही अपनी पहली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'जुगाड़ू' में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे. अभिनेता ने सोशल मीडिया पर फिल्म के क्लैपरबोर्ड के साथ तस्वीर साझा करते हुए इस नए प्रोजेक्ट की आधिकारिक घोषणा की. उन्होंने बताया कि यह उनके करियर की पहली ऐसी फिल्म होगी जहां वह विशुद्ध रूप से कॉमेडी करते दिखेंगे, जिसके लिए वह और उनकी पूरी टीम काफी उत्साहित है.

पलाश वासवानी के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म की मुख्य शूटिंग इस महीने के अंत तक पंजाब में शुरू होने वाली है. फिल्म का मुहूर्त समारोह 30 अप्रैल को मुंबई में धूमधाम से संपन्न हुआ था. 'जुगाड़ू' के जरिए मशहूर पंजाबी अभिनेत्री तानिया बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने जा रही हैं. ईशान और तानिया की नई जोड़ी को पर्दे पर देखना दर्शकों के लिए काफी दिलचस्प होगा. फिल्म को टिप्स फिल्म्स और बावेजा स्टूडियोज के बैनर तले रमेश तौरानी और हरमन बावेजा जैसे बड़े निर्माता मिलकर बना रहे हैं.

ईशान की इस घोषणा के बाद पूरी फिल्म इंडस्ट्री से उन्हें बधाइयां मिल रही हैं. जोया अख्तर, टिस्का चोपड़ा और विशाल जेठवा जैसे सितारों ने पोस्ट पर कमेंट कर अपनी उत्सुकता जाहिर की है. फिल्म में ईशान और तानिया के अलावा अभिषेक बनर्जी, जमील खान और वैभव राज गुप्ता जैसे मंझे हुए कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे. फिल्म की सिनेमैटोग्राफी रंगराजन रामभद्रन संभाल रहे हैं. माना जा रहा है कि यह फिल्म अपनी मजेदार पटकथा और दमदार अभिनय के दम पर दर्शकों को भरपूर मनोरंजन प्रदान करेगी.

सिस्टम में न्याय के लिए एकजुट होंगी सोनाक्षी और ज्योतिका

सोनाक्षी सिन्हा और ज्योतिका स्टारर फिल्म 'सिस्टम' 22 मई 2026 को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी. यह लीगल ड्रामा दो महिलाओं की कहानी है, जो सत्ता के खिलाफ जाकर न्याय के लिए लड़ती हैं.

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा की आने वाली फिल्म 'सिस्टम' को लेकर चर्चा में है. 'सिस्टम' में कानून, न्याय और सत्ता के बीच चलने वाली खींचतान को दिखाई जाएगी. यह फिल्म एक ऐसी कहानी लेकर आ रही है, जिसमें दो अलग-अलग दुनिया की महिलाएं एक साथ आकर सच को सामने लाने की कोशिश करती हैं.

फिल्म 'सिस्टम' 22 मई 2026 को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी. यह एक लीगल ड्रामा फिल्म है, जिसमें दिखाया जाएगा कि कैसे एक ताकतवर सरकारी वकील और एक साधारण स्टेनोग्राफर मिलकर उन सच्चाइयों को सामने लाने की कोशिश करते हैं, जिन्हें लंबे समय से दबाया गया है. कहानी में कई ऐसे मोड़ आते हैं, जहां उन्हें यह तय करना पड़ता है कि वे सत्ता का साथ दें या सही का.

इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा ने नेहा राजवंश नाम की पब्लिक प्रॉसिक्यूटर का किरदार निभाया है, जो अपने काम में बहुत मजबूत और आत्मविश्वासी है. वहीं ज्योतिका सरिका रावत के रोल में नजर आएंगी, जो एक साधारण परिवार से आने वाली कोर्ट स्टेनोग्राफर है. दोनों की सोच, परवरिश और जिंदगी बिल्कुल अलग है, लेकिन जब बात न्याय की आती है तो वे एक साथ खड़ी होती हैं.

फिल्म में इन दोनों का रिश्ता धीरे-धीरे मजबूत होता हुआ दिखाया जाएगा. फिल्म के प्रोड्यूसर हरमन बावेजा ने कहा कि सिस्टम' दो ऐसी महिलाओं की कहानी है, जो अपने-अपने तरीके से न्याय को समझती हैं और उसे पाने के लिए संघर्ष करती हैं. सोनाक्षी सिन्हा, ज्योतिका और आशुतोष गोवारिकर जैसे कलाकारों ने अपने अभिनय से इस कहानी को और भी प्रभावशाली बना दिया है. फिल्म का निर्देशन अश्विनी अय्यर तिवारी ने किया है.

कंगना की फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' 12 जून को होगी रिलीज

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत की आने वाली फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' 12 जून को रिलीज़ होगी. भारत भाग्य विधाता के निर्माताओं ने फिल्म की थिएट्रिकल रिलीज़ डेट 12 जून 2026 तय कर दी है. इसके साथ ही एक प्रभावशाली पोस्टर भी जारी किया गया है, जो उन लोगों को समर्पित है जिन्होंने शहर पर हमले के दौरान डर के बजाय अपने कर्तव्य को चुना.सच्ची घटनाओं पर आधारित यह थ्रिलर फिल्म हथियारों और हिंसा से ध्यान हटाकर इंसानियत और दृढ़ संकल्प पर केंद्रित है, खासकर सरकारी अस्पतालों के भीतर, जहां आम लोगों ने असाधारण साहस दिखाया.

यह फिल्म अस्पताल के कर्मचारियों नर्स, वार्ड बॉय, सफाई कर्मचारी, लिफ्ट ऑपरेटर, सुरक्षा कर्मी और प्रशासनिक स्टाफ की असाधारण सच्ची कहानी को दर्शाती है, जिन्होंने हथियारबंद खतरे के सामने भी डटकर अपने कर्तव्य का पालन किया.जब पूरा शहर आतंक की चपेट में था, तब इन लोगों ने न केवल अपनी जिम्मेदारी निभाई बल्कि यह सुनिश्चित किया कि इंसानियत और भारत की भावना विजयी हो.

कंगना रनौत ने कहा, 'हम अक्सर दिखावटी वीरता का जश्न मनाते हैं, लेकिन असली साहस शांत होता है.वह सामने आता है, ठहरता है और जिम्मेदारी निभाता है. भारत भाग्य विधाता एक अनकही कहानी है साहस, त्याग, इंसानियत और एकता की.उन आम लोगों की, जो आतंक और जीवन के बीच खड़े हो गए. यह देशभक्ति का सबसे शुद्ध रूप है. मैं इस कहानी का हिस्सा बनकर गर्व महसूस करती हूं और 12 जून को इसे बड़े पर्दे पर दर्शकों के सामने लाने के लिए उत्साहित हूं. डॉ. जयंतीलाल गडा (पेन स्टूडियोज) द्वारा प्रस्तुत, भारत भाग्य विधाता का निर्माण पेन स्टूडियोज, मणिकर्णिका फिल्म्स और परमांश क्रिएशंस ने किया है, तथा यूनोइया फिल्म्स एलएलपी और फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से बनाई गई है.फिल्म का लेखन और निर्देशन मनोज तापड़िया ने किया है, जबकि वितरण पेन मरुधर द्वारा किया जाएगा. यह फिल्म 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी. कंगना रनौत के साथ इस फिल्म में गिरीजा ओक,अमृता नामदेव, ईशा डे, प्रिया बेर्डे, आशा शेलार, रसीका आगाशे, आदित्य मिश्रा जाहिद खान भी नजर आएंगे.

टेलीविजन हलचल

तारक मेहता का उल्टा चश्मा ने 4,700 एपिसोड पूरे किए

क्रिएटर असित कुमार मोदी के मशहूर शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा ने 4,700 एपिसोड का शानदार माइलस्टोन पार कर लिया है, इंडस्ट्री के सबसे पसंदीदा और हमेशा याद रहने वाले कलाकारों में से एक के साथ इंडियन टेलीविज़न पर इसकी लंबी उम्र को एक नया आयाम दिया है, साथ ही यह हर पीढ़ी के दर्शकों के साथ अपने गहरे जुड़ाव को और मज़बूत करता जा रहा है. शुरुआत से ही, यह शो घर-घर में पसंदीदा बन गया है, जो अपनी हल्की-फुल्की कहानी, अपने जैसे किरदारों और ह्यूमर और प्यार से दिए गए आसान मैसेज के लिए जाना जाता है. इतने सालों में, इसने लाखों लोगों का मनोरंजन किया है और साथ ही एकता, मेलजोल और रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर काम की सीख भी दी है. इस अचीवमेंट पर बात करते हुए, क्रिएटर और प्रोड्यूसर असित कुमार मोदी ने कहा, '4,700 एपिसोड तक पहुंचना हम सभी के लिए एक इमोशनल और गर्व का पल है. तारक मेहता का उल्टा चश्मा हमेशा से सिर्फ एक शो से कहीं ज़्यादा रहा है— यह एक परिवार है जो इतने सालों में अपने दर्शकों के साथ बढ़ा है. यह सफ़र हमारे दर्शकों के लगातार सपोर्ट, हमारी टीम के डेडिकेशन और हर दिन मिलने वाले प्यार के बिना मुमकिन नहीं होता. हम हर घर में खुशी, पॉजिटिविटी और हंसी लाते रहेंगे.'

राही को ईंट का जवाब पत्थर से देगी अनुपमा

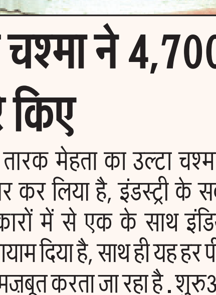

टीवी सीरियल अनुपमा में एक के बाद एक ट्विस्ट आ रहे हैं. शो में श्रुति अनुपमा और राही को दूर करने में लगी है. दूसरी तरफ सभी लोगों को अनुपमा का दिग्विजय संग रिश्ता भी खटक रहा है. रुपाली गांगुली के शो में राही अपनी मां से एक बार फिर नाराज हो गई है लेकिन अब राही हदें पार करती हुई नजर आएंगी. राही अपनी मां अनुपमा की धज्जियां उड़ाएंगी, जिसके बाद अनुपमाके सब्र का बांध टूट जाएगा. अनुपमा फाइनली राही को मुंहतोड़ जवाब देगी. राही हर बार अपनी मां को सबसे बुरी मां बताती है और अब अनुपमा राही को ईंट को जवाब पत्थर से देगी. अनुपमा का नया प्रोमो काफी तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अनुपमा खुशी से बा का जन्मदिन मानती दिख रही है, लेकिन हमेशा की तरह ये फंक्शन भी शांति से नहीं होगा. यहां पर अनुपमा और राही का बहुत बड़ा झगड़ा होगा. प्रोमो में दिखाया गया है कि बा के जन्मदिन पर राही को अनुपमा और दिग्विजय की दोस्ती खटकती है और जैसे ही दिग्विजय अनुपमा से केक कटिंग के लिए चाकू लाकर देता है, तो श्रुति आग लगाने का काम करती है. श्रुति बोलती है कि तुम अनुज को बहुत आसानी से भूल गई. इस पर अनुपमा बोलती है, 'जितना लोग भगवान का नाम नहीं जपते होंगे उतना मैं अपने अनुज का नाम जपती हूं

अपना पहला गीत संग्रह रिकॉर्ड कर रहे हैं आदर्श गौरव

बॉलीवुड अभिनेता और संगीतकार आदर्श गौरव अब अपने संगीत के सफर में एक नया कदम बढ़ाने जा रहे हैं. आदर्श गौरव अपने पहले छोटे संगीत संग्रह के लिए चार मौलिक गीत रिकॉर्ड करने वाले हैं, जो इस साल के अंत तक जारी होंगे. इस नए चरण के तहत आदर्श पूरी तरह से रिकॉर्डिंग प्रक्रिया में खुद को समर्पित करेंगे.

शास्त्रीय संगीत में प्रशिक्षित आदर्श का संगीत से हमेशा गहरा जुड़ाव रहा है, साथ ही उनका अभिनय करियर भी चलता रहा है. हाल ही में उन्होंने अपनी फिल्म 'तू या मैं' में अपनी गायकी का प्रदर्शन किया, जिसे दर्शकों से अच्छा प्रतिसाद मिला. पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने कई मंचीय कार्यक्रमों और संगीत प्रस्तुतियों में भी गाया है, जिनमें एक बड़े अंतरराष्ट्रीय संगीत महोत्सव में उनकी प्रस्तुति भी शामिल रही है, जिससे उनकी बहुमुखी प्रतिभा और मज़बूत हुई है.इस आने वाले संग्रह में चार स्वतंत्र गीत होंगे, जिनके ज़रिए आदर्श अपने संगीत की पहचान को खुलकर तलाशेंगे और अलग-अलग धुनों और शैलियों के साथ प्रयोग करेंगे. यह प्रोजेक्ट उनके लिए एक स्वाभाविक अगला कदम है, क्योंकि वे धीरे-धीरे अपने संगीत के काम को आगे बढ़ाते रहे हैं.

आदर्श गौरव ने कहा, 'संगीत हमेशा से मेरे जीवन का बहुत निजी और अहम हिस्सा रहा है. पेशेवर तौर पर अभिनय पहले शुरू हुआ, लेकिन गायन से मेरा जुड़ाव बहुत पुराना है. 'तू या मैं' में मेरे संगीत को जो प्यार मिला और मंच पर गाने के अनुभव के बाद मुझे लगा कि अब आगे बढ़ने का सही समय है.

एकता कपूर को दिखी पिता जीतेंद्र की झलक

बॉलीवुड फिल्मकार एकता आर कपूर ने अक्षय कुमार और जीतेंद्र को मिसाल बताया है. एकता आर कपूर के बैनर बालाजी मोशन पिक्चर्स की फिल्म भूत बंगला, जिसमें अक्षय कुमार नजर आए, हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई. इस फिल्म के साथ अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की जोड़ी भी फिर से साथ आई.

इसी बीच एकता ने अपने इंस्टाग्राम पर पिता जीतेंद्र और अक्षय कुमार के साथ कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए एक दिल छू लेने वाला पोस्ट लिखा. अपने नोट में एकता ने दोनों सितारों के बीच गजब की समानता बताई, खासकर उनका अनुशासन और निर्माता के विजन पर मजबूत भरोसा. उन्होंने कहा कि ऐसे कलाकार ही फिल्म इंडस्ट्री की कमर्शियल रीढ़ को मजबूत बनाए रखते हैं, क्योंकि एक्टर्स का लगातार काम करना हर स्तर के प्रोड्यूसर्स के लिए मौके पैदा करता है. उन्होंने आगे कहा कि इसी तरह की मेहनत और समर्पण ने इंडस्ट्री को आगे बढ़ाने, रोजगार देने और इसकी रफ्तार बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई है. पोस्ट शेयर करते हुए एकता ने लिखा, 'अब समय आ गया है कि मैं अपना धन्यवाद कहूं.